Parimal Nathwani
Member of Parliament
(Rajya Sabha)

Member:
Standing Committee on Personnel, Public Grievances, Law & Justice
Consultative Committee, Ministry of Commerce and Industry
Permanent Special Invitee:
Consultative Committee, Ministry of External Affairs

सत्यमेव जयते

165, South Avenue,
New Delhi - 110 011
Ph.: 011-23794010
e-mail : parimal.nathwani@sansad.nic.in

B/107, Harmu Housing Colony, P. O. Doranda,
P. S. Argora, Ranchi - 834 012
Ph. : 0651-2244144

मीड़िया रीलिज

सांसद परिमल नथवाणी द्वारा पौधारोपण को प्रोत्साहन

रांची : जुलाई 17, 2012 : माननीय राज्य सभा सांसद श्री परिमल नथवाणी ने वन महोत्सव को बढ़ावा देने का अनूठा तरीका अपनाया है। वन महेत्सव 2012 के तहत 2000 फलदार पौधों को लगाने की आपकी योजना है। इसकी शुरुआत आज कांके पिठोरिया स्थित किसान हाई स्कूल में 100 से ज्यादा फलदार पौधे लगाकर की गई। सांसद कार्यालय से सांसद सलाहकार श्री संदीप वर्मा, पिठोरिया पंचायत के पार्षद श्री जगन्नाथ मिश्र, किसान स्कूल के प्रधान अध्यापक श्री परवेज अहमद और वन संरक्षक श्री मुरलीधर प्रसाद आदि महानुभावों के हाथों स्कूल परिसर में पौधे लगाए गए। स्कूल के सभी अध्यापक एवम् बच्चों ने भी पौधे लगाने में उत्साहपूर्वक शिरकत की। सांसद कार्यालय की सुश्री नुसरत जहां ने इस अभियान को सफलतापूर्वक संकलित किया।

इस वन महोत्सव के अन्तर्गत सांसद श्री नथवाणी द्वारा रांची जिले के प्रत्येक ब्लॉक से दो-दो सरकारी स्कूलों को चुनकर ज्यादा-से-ज्यादा फलदायक और छायादार पौधों को लगाने की योजना है। इसमें मुख्य रूप से अमरुद, आम, बेल, शरीफा, चंपा, गुलमोहर, आंवला, नीम आदि के पौधे हैं। पौधे वन प्रमण्डल से सरकारी दर पर प्राप्त करके स्कूली बच्चों को पौधारोपण में शामिल किया जाता है ताकि बच्चों में पेड़-पौधों को जानने समझने व उनकी देखभाल करने की रूचि पैदा हो।

सांसद श्री नथवाणी द्वारा पौधों को लगाने का सिलसिला वर्ष 2009 में इस्लामनगर से छोटे पैमाने पर शुरू हुआ। वहां बेशकीमती पौधे शीशम, सागवान, महौगुनी, साल, टीक, लगाए गए थे और पार्क को भी हरा-भरा करने के लिए गुलमोहर, चंपा, चमेली, गुलाब, गेन्दा आदि फूलों के पौधों से सुशोभित किया गया था। अब वह इस्लामनगर नहीं है, यह अलग बात है। लेकिन अभियान हर साल जारी रहा।

कांके प्रखण्ड के रैण्डो और करमटोला गांवों में नीम, गुलमोहर, लीची, आम, आंवला, महोगुनी, सखुआ आदि के करीब 100 से 160 पौधे लगाये गए और बांस के बाड़े से घेर कर निरन्तर उनकी देख-भाल की जा रही है। आज वे सब लहलहा रहे है। ग्रामीणों को उनके घरों के लिए 10-10 पौधे भी उपलब्द कारए गए थे। इनमें से काफी आज अच्छी स्थिति में उग गए हैं। पिछले वर्ष मदरसों / स्कूलों और आदिवासी छात्रावास में भी पौधे रोपे गए। बच्चों ने अपने-अपने नाम से उन पौधों का नामकरण किया और उनकी देखभाल विद्यालय के बच्चे और शिक्षक-गण मिल कर कर रहै हैं।

आज के इस कार्यक्रम में, मुख्य रूप से विद्यालय के शिक्षकगण एवम् बच्चों ने जिस प्रकार बढ़-चढ़ कर भाग लिया इससे पर्यावरण के जतन में अपने उत्तरदायित्व के प्रति वे कितने जागरूक हैं इसकी झलक दिखाई दी।

★ ★ ★